किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली के प्रभाव का अध्ययन

सतीश कुमार[1], डॉ. निशि कान्ति[2]

[1] शोधार्थी, मनोविज्ञान, बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर (बिहार)

[2] एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, एम.डी.डी.एम. कॉलेज, मुजफ्फरपुर (बिहार)

ABSTRACT

किशोरावस्था में किशोर जो भी शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसमें शैक्षिक संस्थानों की महान भूमिका होती है। शैक्षिक संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारीगण पढ़नेवाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। शिक्षकों एवं कर्मचारियों की प्रेरणा एवं प्रभावशीलता किशोरों में सीखने के प्रति अभिरुचि को बढ़ाती है। सीखने संबंधी प्रेरणा के बिना विद्यार्थियों में सीखने की प्रक्रिया सही तरीके से हो ही नहीं सकती है। अतः किशोरों में सीखने की अधिगम प्रोत्साहन को महत्वपूर्ण मानते हुए किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली के प्रभाव की जानकारी प्राप्त करने को इस शोध का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सम्पूर्ण समस्तीपुर जिला क्षेत्र के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों से कुल 230 किशोरों को उद्देश्यात्मक चयन पद्धति के आधार पर चयनित किया गया। उत्तरदाता के रूप में चयनित किशोरों की उम्र सीमा 14 वर्ष से लेकर 16 वर्ष (औसत उम्र 15 वर्ष) थी। मिश्रा द्वारा विकसित अधिगम प्रेरणा मापनी, गुप्ता एवं मेहतानी द्वारा विकसित अभिभावकत्व शैली मापनी एवं स्वयं शोधार्थी द्वारा विकसित व्यक्तिगत सूचना प्रपत्र के माध्यम से प्रदत्तों को संग्रहित किया गया। संग्रहित किए गए प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर परिणाम के रूप में पाया गया है कि किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली के अधिकारिक एवं अनुज्ञावादी विशेषता का सकारात्मक प्रभाव एवं सत्तावादी और असम्बद्ध विशेषता का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

KEYWORDS: किशोर, अधिगम, प्रोत्साहन, विद्यालय, अभिभावकत्व, शैली, प्रभाव, अध्ययन

1. प्रस्तावना

किशोरावस्था मानव जीवन की महत्वपूर्ण अवस्था होती है। सामान्य रूप से 10 वर्ष से लेकर 19 वर्ष तक की अवस्था किशोरावस्था कहलाती है। किशोरावस्था बचपन और व्यस्कावस्था के बीच विकास की संक्रमणकालीन अवस्था होती है। किशोरावस्था के क्रम में किशोरों का अपने माता–पिता से भावनात्मक अलगाव होता है, क्योंकि शारीरिक–मानसिक परिवर्तन के कारण बच्चे द्वंद्व की स्थिति में होते हैं।

किशोरावस्था के संबंध में जानकारों के बीच अनेक प्रकार की अवधारणाएँ रही हैं, जिसमें किशोरावस्था को विकास की जटिल अवस्था, तनाव की अवस्था, परिपक्वता की प्रक्रिया, यौन इच्छाओं की उत्पत्ति की अवस्था, मानसिक द्वंद्व एवं संघर्ष की अवस्था इत्यादि भिन्न–भिन्न अवधारणाएँ दृष्टिगत होती है।

शैक्षिक जीवन में किशोरावस्था एक प्रभावकारी अवस्था होती है। किशोरावस्था से किशोरों का शैक्षिक जीवन तो निर्भर करता ही है साथ ही, उसके जीवन का भविष्य भी निर्धारित होता है। इस दृष्टिकोण से किशोरों का उसके माता–पिता, शिक्षक, अभिभावक एवं अन्य संबंधितों के द्वारा उचित मार्गदर्शन होना आवश्यक हो जाता है।

अभिभावकत्व शैली एक ऐसी शैली होती है, जो माता–पिता अथवा अभिभावक के द्वारा अपने बच्चों के प्रति उचित व्यवहारात्मक विकास एवं जीवन–लक्ष्य प्राप्ति हेतु क्रियान्वित की जाती है। अभिभावकत्व शैली बच्चों के उचित व्यवहार के नियमितीकरण में सहायता करती है। अभिभावकत्व शैली बच्चों में उचित पालन एवं मनोवैज्ञानिक समृद्धि में सकारात्मक भूमिका निभाती है।

अनेक शोधों के माध्यम से परामर्शित किया गया है कि माता–पिता अथवा अभिभावकों के द्वारा बच्चों के उचित पोषण, शिक्षा एवं मनोवैज्ञानिक विकास के लिए की जाने वाली पालन–पोषण की प्रणाली काफी महत्वपूर्ण होती है।

अधिगम प्रोत्साहन का तात्पर्य वैसे प्रोत्साहन से होता है, जिसमें बच्चे सीखने के प्रति प्रेरित होते हैं। परिवार अथवा विद्यालय में कुछ ऐसी विशेषताएँ होती है, जिसके कारण बच्चे सीखने के लिए सक्रिय होते हैं। अधिगम प्रोत्साहन बच्चों को सीखने की प्रक्रिया के प्रति इच्छा को बढ़ाती है, जिससे बच्चे अधिगम प्रक्रिया को सरलतापूर्वक ग्रहण करते हैं।

पूर्व के अध्ययनों की समीक्षाएँ :

इस शोध में शोध शीर्षक से संबंधित पूर्व में किए गए विभिन्न अध्ययनों की समीक्षा की गई है, जिससे शोध कार्य सही दिशा में एवं मानक स्तर पर किया जा सके।

क्रेमर (2002) ने बच्चों के वर्ग–कक्ष प्रेरणा एवं अभिभावकत्व शैली के प्रभाव का अध्ययन किया है और परिणाम में पाया है कि पिता का अधिकारवादी शैली बच्चों के वर्गकक्ष प्रेरणा को सकारात्मक रूप से

प्रभावित करता है जबकि माता का आदेशवादी (अनुज्ञावादी) शैली बच्चों के वर्ग–कक्ष प्रेरणा पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

बोमेन (2005) ने एक अन्य अध्ययन के आधार पर बताया है कि, परिवार बच्चों की उपलब्धि का प्रथम सोपान होता है, जहाँ बच्चों की समझ, उसकी मनोवृत्ति एवं विद्यालयी उपलब्धि बेहतर होती है।

टेलर (2005) ने बच्चों के संज्ञानात्मक विकास पर माता–पिता की भूमिका का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन किया है और परिणाम में पाया है कि बच्चों का संज्ञानात्मक विकास माता–पिता के निर्देशन एवं देखभाल पर पूर्णतः निर्भर करता है।

गाजी (2010) ने अपने अध्ययन के आधार पर बताया है कि, विद्यार्थियों की आवश्यकता एवं माता–पिता का प्रोत्साहन बच्चों के शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।

लता (2013) ने एक अन्य अध्ययन में बताया है कि, बच्चों की शिक्षा में माता–पिता की निम्नस्तरीय संलग्नता नकारात्मक प्रभाव डालती है, जबकि उच्च स्तर की संलग्नता बच्चों में सामाजिक कुशलता एवं शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।

हसन इत्यादि (2022) ने अभिभावकत्व शैली और शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित अध्ययन किया है और परामर्शित किया है कि, अधिकारवादी अभिभावकत्व शैली का शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि अनुज्ञावादी और असंबद्ध अभिभावकत्व शैली का शैक्षिक उपलब्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

जहारा एवं अजवारनी (2022) ने अभिभावकत्व शैली आधारित विद्यार्थियों के अधिगम प्रेरणा का मूल्यांकन किया है और पाया है कि, अधिकारवादी अभिभावक के बच्चों में बहुत ही मजबूत अधिगम प्रेरणा होता है। इसके अलावे उन्होंने यह भी पाया है कि अभिभावकत्व शैली के साथ अधिगम प्रेरणा संबंधित होता है।

फैयाज (2023) ने अनन्तनाग जिला के किशोरों में शैक्षिक उपलब्धि, शैक्षिक समायोजन और अभिभावकों के प्रोत्साहन का अध्ययन किया है और परिणाम में पाया है कि निवास एवं यौन आधारित कारक किशोरों के शैक्षिक उपलब्धि को भिन्नात्मक रूप से प्रभावित करती है, जबकि शैक्षिक समायोजन को आवास संबंधी कारक सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने यौन संबंधी कारक का शैक्षिक समायोजन पर कोई प्रभाव नहीं पाया है।

शोध का उद्देश्यः

किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली के प्रभाव का अध्ययन करना इस शोध का मुख्य उद्देश्य था।

परिकल्पनाएँः

1. किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अधिकारवादी शैली का सकारात्मक प्रभाव होगा।
2. किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर सत्तावादी शैली का सकारात्मक प्रभाव होगा।
3. अनुज्ञावादी शैली का किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर भिन्नात्मक प्रभाव होगा।
4. अभिभावकों की असंबद्ध अभिभावकत्व शैली की विशेषता का किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर सकारात्मक प्रभाव होगा।
5. किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली का सार्थक एवं सकारात्मक प्रभाव होगा।

प्रविधिः

1. प्रतिदर्शः

समस्तीपुर जिला क्षेत्र से पाँच विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों से कुल 230 किशोर–किशोरियों का चयन उद्देश्यात्मक चयन पद्धति के आधार पर किया गया। उत्तरदाता के रूप में चयनित विद्यार्थियों की उम्र 14 वर्ष से 16 वर्ष (औसत उम्र 15 वर्ष) थी।

2. मापनियाँः

निम्नांकित मापनियों के माध्यम से संगत सूचनाएँ प्राप्त की गईः

01. अभिभावकत्व शैली मापनी :

किशोरों के अभिभावकों में अभिभावकत्व शैली के स्तर की जानकारी के लिए गुप्ता एवं मेहतानी द्वारा विकसित अभिभावकत्व शैली मापनी का प्रयोग किया गया है। इस मापनी में अभिभावकत्व शैली के चार विभिन्न क्षेत्रों (अधिकारवादी शैली, सत्तावादी शैली, अनुज्ञावादी शैली एवं असंबद्ध शैली) से संबंधित कुल 44 एकांशों को सम्मिलित किया गया है। यह मापनी वर्तमान में अभिभावकों में अभिभावकत्व शैली की जानकारी के लिए काफी विश्वसनीय, वास्तविक, वैध एवं उपयुक्त मापनी है।

02. अधिगम प्रोत्साहन मापनीः

उत्तरदाताओं के संबंद्ध में अधिगम प्रोत्साहन की जानकारी हेतु मिश्रा द्वारा विकसित अधिगम प्रेरणा मापनी का प्रयोग किया गया है। इस मापनी में कुल 46 एकांश सम्मिलित किए गए हैं। यह मापनी भी भारतीय संदर्भ में काफी वैध, विश्वसनीय, सार्थक एवं उपयुक्त मापनी है।

03. व्यक्तिगत सूचना प्रपत्रः

उत्तरदाताओं के संबंद्ध में व्यक्तिगत जानकारी के लिए स्वयं द्वारा विकसित व्यक्तिगत सूचना प्रपत्र का प्रयोग किया गया।

प्रदत्त संग्रह की प्रक्रियाः

शोध–शीर्षक आधारित जानकारी के लिए शोधार्थी द्वारा अच्छे तरीके से योजना बनायी गयी। बनाई गई योजना के अनुसार शोधार्थी द्वारा चयनित विद्यालयों का भ्रम.ा करते हुए विद्यालय प्रधान से मिलकर उनसे मिलने का प्रयोजन बताया गया। तत्पश्चात् चयनित मापनियों के माध्यम से उत्तरदाताओं से प्रदत्त सग्रह का कार्य किया गया। उत्तरदाताओं के माध्यम से उनके अभिभावकों से अभिभावकत्व शैली मापनी पर अनुक्रियाएँ प्राप्त की गई। इस तरह प्रदत्त–संग्रह का कार्य पू.ा किया गया। प्रदत्त संग्रह कार्य में आवश्यक सहयोग के लिए सभी संबंधितों को धन्यवाद दिया गया।

प्रदत्तों का विश्लेषणः

संग्रहित किये गये प्रदत्तों का विश्लेषण तुलनात्मक सांख्यिकीय पद्धति के द्वारा किया गया एवं समसामयिक संदर्भ में परिणाम तैयार किया गया।

परिणामः

प्रस्तुत शोध में प्राप्त परिणामों का प्रस्तुतीकरण निम्नांकित हैः

सारणी संख्या 1ः किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अधिकारवादी शैली के प्रभाव का परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
अधिकारवादी शैली वाले अभिभावकों की उत्तरदाताएँ	109	42.67	5.74	3.90	<.01	127
अधिकारवादी शैली से अलग अभिभावकों की उत्तरदाताएँ	120	39.74	6.11			

सारणी संख्या 2ः किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकों की सत्तावादी शैली

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
सत्तावादी शैली वाले अभिभावकों की उत्तरदाताएँ	105	23.69	5.13	0.06	N-S-	127
सत्तावादी शैली से अलग अभिभावकों की उत्तरदाताएँ	115	23.60	5.22			

सारणी संख्या 3ः अनुज्ञावादी शैली का किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर प्रभाव संबंधी परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
अनुज्ञावादी शैली वाले अभिभावकों के बच्चे	110	44.72	6.85	5.32	<-01	223
अनुज्ञावादी शैली से अलग अभिभावकों के बच्चे	115	40.67	4.35			

सारणी संख्या 4ः अभिभावकत्व शैली के असंबद्ध विशेषता का अधिगम प्रोत्साहन पर प्रभाव संबंधी परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
असंबद्ध शैली वाले अभिभावकों के बच्चे	111	26.76	5.49	5.12	<-01	219
असंबद्ध शैली से अलग अभिभावकों के बच्चे	110	31.11	7.13			

सारणी संख्या 5ः अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली के प्रभाव का अध्ययन संबंधी परिणाम

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता का स्तर	स्वतंत्रता का अंश
उच्च स्तर के अभिभावकत्व शैली वाले अभिभावकों के बच्चे	112	42.82	7.69	5.48	<-01	220
निम्न स्तर के अभिभावकत्व शैली वाले अभिभावकों के बच्चे	110	37.88	5.79			

व्याख्याः

सारणी संख्या 1ः के अवलोकन से स्पष्ट है कि, उत्तरदाताओं के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली के अधिकारवादी विशेषता का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि अधिकारवादी विशेषता वाले अभिभावकों के बच्चों ने अधिकारवादी विशेषता से अलग अभिभावकों के बच्चों की अपेक्षा अधिगम प्रोत्साहन मापनी पर अपेक्षाकृत अधिक माध्य (42.67) एवं मानक विचलन (5.74) प्राप्त किया है। साथ हीं, परिकलित टी–मूल्य (3.90) भी विश्वास के <.01 स्तर पर सार्थक भी पाया गया है। इस परिणाम के संबंध में कहा जा सकता है कि अभिभावकों की अधिकारवादी आधारित अभिभावकत्व शैली किशोरों

को उनके सीखने की प्रक्रिया में सकारात्मक सहयोग प्रदान करती है, जिससे उनमें सीखने के प्रति प्रोत्साहन बना रहता है। इस तरह यह परिणाम परिकल्पना संख्या 1ः कि ''किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अधिकारवादी शैली का सकारात्मक प्रभाव होगा'' को प्रमाणित करती है।

सारणी संख्या 2ः के अवलोकन से स्पष्ट है कि, सत्तावादी विशेषता की अभिभावकत्व शैली वाले अभिभावकों के बच्चों एवं सत्तावादी विशेषता से अलग अभिभावकत्व शैली वाले अभिभावकों के बच्चों ने अधिगम प्रोत्साहन मापनी पर लगभग समान माध्य (क्रमशः 23.69 एवं 23.60) एवं मानक विचलन (क्रमशः 5.13 एवं 5.22) प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त परिकलित टी–मूल्य (0.06) भी विश्वास के आवश्यक स्तर पर सार्थक नहीं पाया गया है। इस तरह के परिणाम के संबंध में कहा जा सकता है कि, जब अभिभावकों में सत्तावादी होने का गुण होता है तो वे अपनी इच्छानुसार अपने बच्चों की शिक्षा में भूमिका निर्वहन करना चाहते हैं। लेकिन बच्चे अपनी इच्छा को नजरअंदाज होते देख वे अपनी सीखने की प्रक्रिया में प्रोत्साहित नहीं हो पाते हैं जिससे दोनों समूह के बच्चों में अधिगम प्रोत्साहन मापनी पर लगभग समान स्तर का प्रोत्साहन पाया गया है। अतः यह परिणाम पूर्व में निर्मित्त परिकल्पना संख्या 2ः कि ''किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर सत्तावादी शैली का सकारात्मक प्रभाव होगा'' को प्रमाणित नहीं करती है।

सारणी संख्या 3ः में प्रस्तुत किए गए परिणाम के अवलोकन से स्पष्ट है कि, अनुज्ञावादी शैली की विशेषता वाले अभिभावकों के बच्चों का अधिगम प्रेरणा अधिक है, जबकि अनुज्ञावादी शैली के विपरीत विशेषता वाले अभिभावकों के बच्चों में अधिगम प्रेरणा का स्तर निम्न है। इस तरह के परिणाम के संबंध में हम कह सकते हैं कि अनुज्ञावादी विशेषता बच्चों में सीखने के प्रति प्रोत्साहन को बढ़ाने में सकारात्मक भूमिका निभाती है। अतः इस संबंध में पूर्व में बनाई गई परिणाम संख्या 3ः कि ''अनुज्ञावादी शैली का किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर भिन्नात्मक प्रभाव होगा'' प्रमाणित होती है।

सारणी संख्या 4ः के अवलोकन से स्पष्ट है कि असम्बद्ध अभिभावकत्व शैली का किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि असम्बद्ध अभिभावकत्व शैली की विशेषता वाले अभिभावकों के बच्चों में अधिगम प्रेरणा का स्तर निम्न है, जबकि असम्बद्ध विशेषता से अलग अभिभावकों के बच्चों में अधिगम प्रेरणा का स्तर उच्च है। इस संबंध में परिकलित टी–मूल्य (5.12) विश्वास के <.01 पर सार्थक पाया गया है। अतः पूर्व में निर्मित्त परिकल्पना संख्या 4ः कि, ''अभिभावकों की असंबद्ध अभिभावकत्व शैली का अधिगम प्रोत्साहन पर सकारात्मक प्रभाव'' प्रमाणित नहीं होती है।

सारणी संख्या 5ः के अवलोकन से स्पष्ट है कि, किशोरों का अधिगम प्रोत्साहन उच्च अभिभावकत्व शैली से सकारात्मक रूप से प्रभावित होता है, क्योंकि उच्च स्तर के अभिभावकत्व शैली वाले अभिभावकों के बच्चों ने अधिगम प्रेरणा मापनी पर, निम्न स्तर के अभिभावकत्व शैली वाले अभिभावकों के बच्चों की अपेक्षा अधिक माध्य (42.82) एवं मानक विचलन (7.69) प्राप्त किया है, जबकि परिकलित टी–मूल्य (5.48) विश्वास के <.01 स्तर पर सार्थक पाया गया है। इस परिणाम के आधार पर कहा जा सकता है कि अभिभावक के द्वारा जब सही ढंग से बच्चों का पालन–पोषण एवं निर्देशन दिया जाता है तो उसका विकास सही तरीके से होता है एवं सीखने के प्रति वह प्रेरित बना रहता है। अतः यह परिणाम पूर्व में निर्मित्त परिकल्पना संख्या 5ः कि ''किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली पर सार्थक एवं सकारात्मक परिणाम होगा'' प्रमाणित होती है।

निष्कर्षः

प्रस्तुत शोध में प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष के रूप में स्पष्ट है कि, किशोरों के अधिगम प्रोत्साहन पर अभिभावकत्व शैली के अधिकारिक एवं अनुज्ञावादी विशेषता का सकारात्मक प्रभाव एवं सत्तावादी और असम्बद्ध विशेषता का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सीमाएँः

इस शोध में कुछ कमियाँ होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि क्षेत्र भ्रमण की समस्या शोध सामग्री के संकलन में तकनीकी समस्या, प्रदत्त संग्रह एवं विश्लेषण आधारित समस्या इत्यादि के कारण शोध में त्रुटियों का प्रविष्टीकरण स्वाभाविक है।

परामर्शनः

शोध में कुछ कमियों की संभावना के बावजूद यह शोध वर्तमान परिप्रेक्ष्य में काफी प्रासंगिक है। इस संदर्भ में व्यापक स्तर पर एवं सूक्ष्म तरीके से शोध कार्य करने की आवश्यकता है जिससे अभिभावक एवं किशोरों के साथ–साथ शोधार्थियों, विद्यालय प्रबंधन, परामर्शदाताओं एवं पेशेवर कार्यकर्त्ताओं को आवश्यक लाभ मिलेगा।

संदर्भ–सूची :

1. क्रेमर, के.ई. (2002) : बच्चों के वर्ग कक्ष प्रेरणा पर अभिभावकत्व शैली के प्रभाव का अध्ययन, अप्रकाशित स्नातकोत्तर शोध प्रबंध, लूसियाना राज्य विश्वविद्यालय, लूसियाना।
2. गाजी, एस. आर. अली, आर., शाहजाद, एस., हुकुमदाद, के. (2010) : बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि में माता–पिता की संलग्नता, ऐशियन सामाजिक विज्ञान आधारित पत्रिका, वॉल्युम–6(4)
3. जहारा, सी. आई. एवं अजवारनी (2022) : अभिभावकत्व शैली और विद्यार्थियों के अधिगम प्रेरणा का गुणात्मक अध्ययन। सामुदायिक औषधि एवं शिक्षा आधारित पत्रिका, वॉल्यूम–4(1), 258–261
4. टेलर, सी. (2005) : बच्चों के संज्ञानात्मक विकास पर माता–पिता की भूमिका का अध्ययन, व्यावहारिक विज्ञान आधारित पत्रिका, 127(32), 589–603
5. फैयाज, आर. (2023) : अनन्तनाग जिला के किशोरों में शैक्षिक उपलब्धि, शैक्षिक समायोजन और अभिभावकों के प्रोत्साहन का अध्ययन, भारतीय मनोविज्ञान आधारित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम–11(1), 913–223
6. बोमेन, के.एल. (2005) : बच्चों के व्यवहार पर माता–पिता की मनोवृत्ति के प्रभाव का अध्ययन, न्यूयॉर्कः हॉल्ट, रिंचार्ड एवं विंटसन ।
7. लता, के. (2013) : मध्य विद्यालय के बच्चों के सामाजिक कौशल पर माता–पिता की संलग्नता का अध्ययन, शिक्षा आधारित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम–1(2), 33–46

8. हसन, एम., मल्लिक, ए.एस.,सैंग, जी. रिजवान, एम., मुस्ताक, आई. एवं नवीद, एस. (2022): माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि और अभिभावकत्व शैली के प्रभाव का परीक्षण, शैक्षिक मनोविज्ञान आधारित शोध पत्रिका, वॉल्यूम–13